बाइबल का एक नक्शा – "परमेश्वर की योजना युगों के लिए"

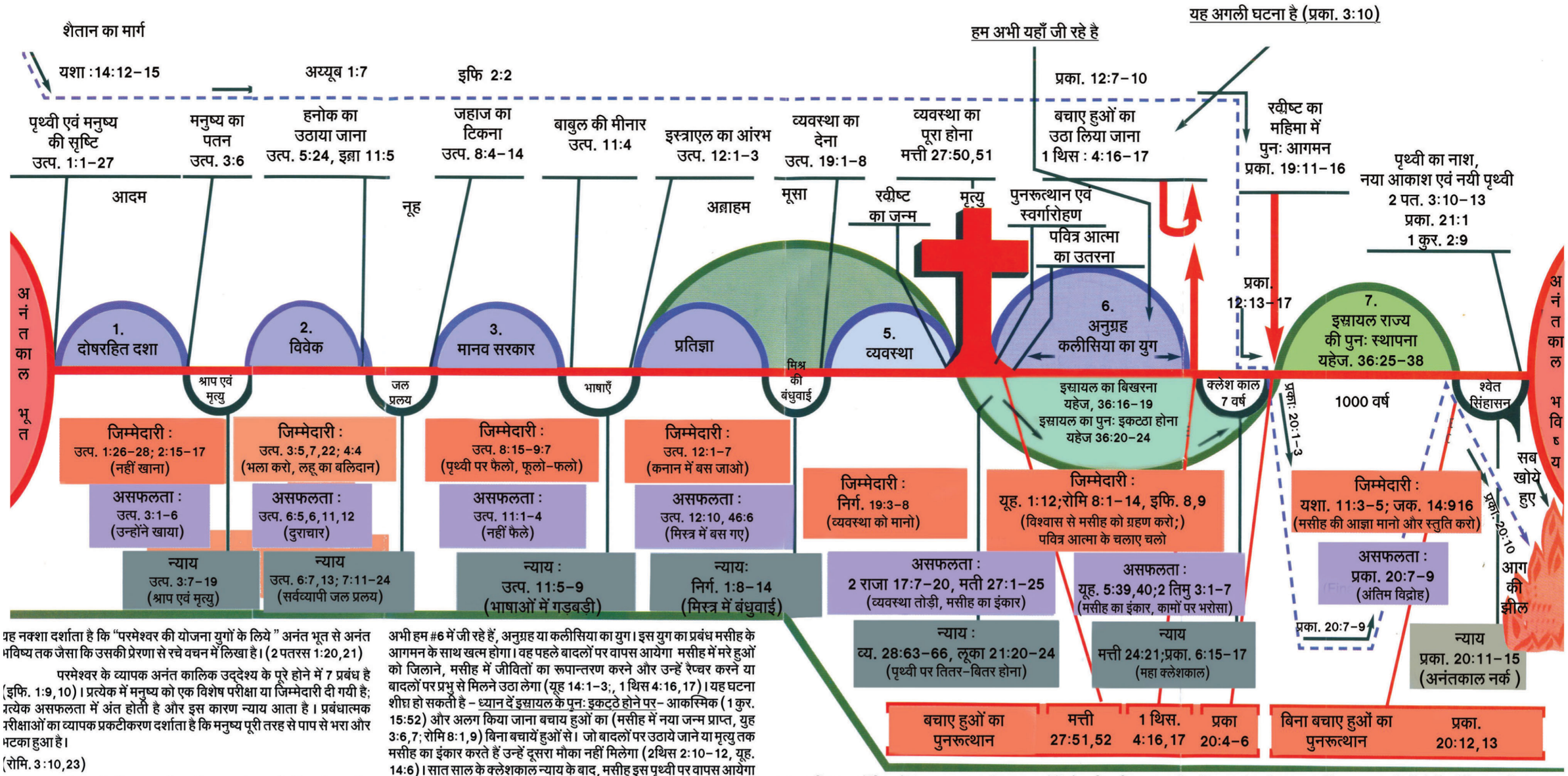

ग्रह नक्शा दर्शाता है कि "परमेश्वर की योजना युगों के लिये " अनंत भूत से अनंत भविष्य तक जैसा कि उसकी प्रेरणा से रचे वचन में लिखा है। (2 पतरस 1:20,21)

परमेश्वर के व्यापक अनंत कालिक उद्देश्य के पूरे होने में 7 प्रबंध है (इफि. 1:9,10)। प्रत्येक में मनुष्य को एक विशेष परीक्षा या जिम्मेदारी दी गयी है; प्रत्येक असफलता में अंत होती है और इस कारण न्याय आता है। प्रबंधात्मक परीक्षाओं का व्यापक प्रकटीकरण दर्शाता है कि मनुष्य पूरी तरह से पाप से भरा और भटका हुआ है।

(रोमि. 3 :10,23)

प्रत्येक प्रबंध में उद्धार परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा है (बिना योग्यता के, बिना कमाया दान) जो विश्वास के द्वारा मिलता है। कुछ उदाहरण है हाबिल इब्रा. 11:4; हनूक 11:5,6 ; नूह 11:7; इब्राहिम 11:8–19 ; मूसा 11:23–29; इफि. 2:8,9; रोमि 6:23 भी देखें ।

अभी हम #6 में जी रहे हैं, अनुग्रह या कलीसिया का युग। इस युग का प्रबंध मसीह के आगमन के साथ खत्म होगा। वह पहले बादलों पर वापस आयेगा मसीह में मरे हुओं को जिलाने, मसीह में जीवितों का रूपान्तरण करने और उन्हें रैप्चर करने या बादलों पर प्रभु से मिलने उठा लेगा (यूह 14:1–3;, 1 थिस 4:16,17)। यह घटना शीघ्र हो सकती है – ध्यान दें इस्रायल के पुनः इकट्ठे होने पर– आकस्मिक (1 कुर. 15:52) और अलग किया जाना बचाय हुओं का (मसीह में नया जन्म प्राप्त, युह 3:6,7; रोमि 8:1,9) बिना बचायें हुओं से। जो बादलों पर उठाये जाने या मृत्यु तक मसीह का इंकार करते हैं उन्हें दूसरा मौका नहीं मिलेगा (2थिस 2:10–12, यूह. 14:6)। सात साल के क्लेशकाल न्याय के बाद, मसीह इस पृथ्वी पर वापस आयेगा अपनी पूरी महिमा में अपने संतों के साथ पृथ्वी पर 1000 वर्षों का राज्य स्थापित करने (मत्ती 24:29, 30; प्रका. 19:11–20:6 ; यहूदा 14, 15)।

क्लेशकाल परमेश्वर का प्रकोप होगा इस मसीह का इंकार करने वाली दुनिया पर और मनुष्य का इंकार करने वाली दुनिया पर और मनुष्य पहाड़ों से विनती करेंगें कि उन पर गिरकर उन्हें छिपा लें (प्रका. 6:12–17)। तब युद्ध होंगें और दुनिया कि कम से कम 1/2 जनसंख्या मार डाली जायेगी।(प्रका. 6:48; 9:15–18)। मनुष्य आग से जल जायेंगें, बड़े भूकंप होएंगे और मन–मन भर के ओले गिरेंगें। शहर गिर जायेंगें, प्रत्येक टापू और पहाड़ गायब हो जायेंगें, प्रत्येक टापू और पहाड़ गायब हो जायेंगें, बादलों पर उठा लिये जाने के बाद (प्रका. 3:10; 16:8,9, 18–21)

श्वेत सिंहासन है परमेश्वर का अंतिम न्याय उनके लिये जिन्होंने नकार दिया था उसके अनुग्रह को, विश्वास द्वारा मिले उद्धार को। सारे प्रबंधों में से उन सबका पुनरूत्थान होगा, यह सिद्ध होगा कि वे अपने कामों के द्वारा नहीं बचायें जा सके और उनका नाम जीवन की पुस्तक में नहीं लिखा है। तब उन्हें हमेशा के लिये परमेश्वर से अलग कर दिया जायेगा, आग की झील में डालकर (प्रका. 20:11–15)।

आपने यीशु मसीह के साथ क्या किया ? कृपया पीछे दिये प्रश्नोंका उत्तर लिखिए ..